University in News on 24 October 2022

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि : सेल्फ फाइनेंस कोर्स के शिक्षक करा सकेंगे पीएचडी

उपक्रम के उद्घाटन के अवसर पर उठा मुद्दा, एकेटीयू व प्राइवेट विवि में लागू है यह व्यवस्था

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय व सहयुक्त कॉलेजों समेत प्रदेश के अन्य विश्वविद्यालयों के सेल्फ फाइनेंस कोर्स के शिक्षकों को भी जल्द पीएचडी कराने का अवसर मिल सकता है। लविवि में हाल ही में स्थापित उत्तर प्रदेश काडर फॉर रैंकिंग एक्रीडिटेशन मेंटरशिप (उपक्रम) के उद्घाटन अवसर पर आयोजित कुलपतियों की कार्यशाला में यह मुद्दा उठा। इस पर उपस्थित अन्य सभी ने भी सकारात्मक रुख दिखाया है।

चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के साथ उच्च शिक्षा विभाग के बीच हुए एमओयू के तहत उपक्रम की शुरुआत प्रदेश के विश्वविद्यालयों को विभिन्न रैंकिंग में अच्छा स्थान पाने के लिए मेंटरशिप करने के लिए की गई है। नैक, एनआईआरएफ आदि रैंकिंग में रिसर्च एंड इनोवेशन के काफी अच्छे नंबर मिलते हैं। इसे देखते हुए यह सोचा गया कि प्रदेश के विश्वविद्यालय व सहयुक्त कॉलेजों में काफी संख्या में स्ववित्तपोषित मोड में कई कोर्स चलते हैं और उसमें अच्छी संख्या में शिक्षक तैनात हैं।

अगर उन्हें पीएचडी कराने का अवसर दिया जाए तो यह न सिर्फ विद्यार्थियों के लिहाज से अच्छा होगा बल्कि काम भी बेहतर होगा और उसमें वृद्धि होगी। कुलपतियों के सुझाव पर आला अधिकारियों ने इस पर उच्च शिक्षा विभाग को ड्राफ्ट तैयार करने को कहा है। उनका यह भी तर्क था कि एकेटीयू के संबद्ध प्राइवेट कॉलेजों के शिक्षकों व अन्य प्राइवेट विश्वविद्यालयों के शिक्षकों को जब यह अवसर प्राप्त है तो अन्य विश्वविद्यालयों के स्ववित्तपोषित कोर्स के शिक्षकों को भी यह अवसर मिलना चाहिए।

लविवि के यूजी शिक्षकों को इसी सत्र से अवसर

लविवि के सहयुक्त कॉलेजों के पीजी कोर्सों के नियमित शिक्षकों को ही अभी तक पीएचडी कराने का अवसर था। इसी सत्र 2021-22 से विश्वविद्यालय द्वारा यूजी कोर्सों के नियमित शिक्षकों को पीएचडी कराने का अवसर दिया है। सिर्फ इसी से विश्वविद्यालय व कॉलेजों में पीएचडी की सीटें दोगुने से ज्यादा बढ़ गई हैं। ऐसे में अगर स्ववित्तपोषित कोर्सों के शिक्षकों को यह अवसर मिलता है तो इसमें और वृद्धि होगी।

कोर्स चलने तक के लिए तैनात होंगे शिक्षक

लविवि ने स्ववित्तपोषित कोर्स के शिक्षकों को अभी हाल ही में बड़ा तोहफा दिया था। विवि ने यह निर्णय लिया था कि स्ववित्तपोषित कोर्स चलने तक के लिए शिक्षकों की तैनाती होगी। हालांकि, उनके कामकाज की समीक्षा हर दो-तीन साल में की जाएगी। शिक्षक की परफार्मेंस ठीक होने पर उनका अनुबंध आगे बढ़ाया जाता रहेगा।

लविवि : वीसी गोल्ड मेडल के लिए 10 तक मांगे नाम

माई सिटी रिपोर्टर

12 दिसंबर को दीक्षांत, विवि ने शुरू की तैयारी, बेस्ट एनसीसी कैडेट को दिया जाएगा यह अवार्ड

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में दीक्षांत समारोह की तिथि 12 दिसंबर तय होने के बाद इसकी तेजी से तैयारी शुरू हो गई है। इस क्रम में विवि प्रशासन ने बेस्ट एनसीसी कैडेट्स को दिए जाने वाले वाइस चांसलर गोल्ड मेडल के नाम 10 नवंबर तक मांगे हैं। इसके साथ ही मेडल और डिग्री तैयार करने की भी कवायद तेज हो गई है।

परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने कमांडेंट एनसीसी हेड क्वार्टर को भेजे पत्र में कहा है कि वर्ष 2022 के लिए वाइस चांसलर गोल्ड मेडल के लिए अर्ह अभ्यर्थी का नाम अनुमोदित करके भेजें। इसमें पांचों यूनिट के एनसीसी, नेवल व अन्य के कैडेट्स शामिल होंगे। उक्त विद्यार्थियों के नाम मिलने के बाद विश्वविद्यालय स्तर पर तीन सदस्यीय कमेटी इनका परीक्षण करके अंतिम रूप से विद्यार्थी का चयन करेगी। इसमें कैडेट का चयन पर्सनालिटी, व्यवहार, क्वालिटी, खेलकूद योग्यता, लीडरशिप, परेड में उपस्थिति, क्लास में उपस्थिति आदि के आधार पर किया जाता है।

बनर्जी रिसर्च प्राइज के भी मांगे आवेदन : परीक्षा नियंत्रक की ओर से इसी क्रम में बनर्जी रिसर्च रेगुलेशन प्राइज के भी आवेदन मांगे गए हैं। उन्होंने रजिस्ट्रार को पत्र भेजकर कहा है कि पीएचडी, डीलिट, डीएससी या एलएलडी डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थी को उक्त प्राइज दिया जाना है। इसके लिए अर्ह अभ्यर्थी के नाम आवश्यक दस्तावेजों के साथ 10 नवंबर तक उपलब्ध कराए जाएं, ताकि इसके बाद इससे जुड़ी आगे की आवश्यक कार्रवाई पूरी की जा सके।

एकेटीयू : कॉलेजों से मांगी दीक्षांत की जानकारी : डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विवि का दीक्षांत समारोह भी 25 नवंबर को प्रस्तावित है। इसकी तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में परीक्षा नियंत्रक प्रो. अनुराग त्रिपाठी ने कॉलेजों को पत्र भेजकर पूछा है कि जो कॉलेज अपने स्तर पर दीक्षांत का आयोजन कर विद्यार्थियों को डिग्री-मेडल वितरित करना चाहते हैं वो 31 अक्तूबर तक ई-मेल पर इसकी जानकारी दे दें, ताकि उन्हें डिग्री उपलब्ध कराई जा सके।

लविवि : एमबीए-बीपीएड का सीट अलॉटमेंट जारी

लखनऊ। लविवि की नए सत्र 2022-23 की परास्नातक कोर्सों की प्रवेश प्रक्रिया के क्रम में एमबीए, बीपीएड, एमपीएड कोर्सों का सीट अलॉटमेंट जारी कर दिया गया है। इसके विद्यार्थी 25 अक्तूबर तक ऑनलाइन फीस जमा कर सकेंगे।

प्रवेश समन्वयक प्रो. पंकज माथुर ने बताया कि बीपीएड, एमपीएड, एमबीए-एमटीटीएम कोर्सों की च्वॉइस फिलिंग 20 अक्तूबर को समाप्त हो गई थी। इस आधार पर इनका पहला सीट अलॉटमेंट जारी कर दिया गया है। विद्यार्थी विवि की वेबसाइट पर इसे अपनी लॉगइन आईडी से देख सकते हैं। इसके अनुसार वे 25 अक्तूबर तक अपनी फीस जमा कर दें। वहीं, विद्यार्थियों का कहना है कि विवि ने छुट्टियों में अलॉटमेंट जारी किया है। बैंक बंद होने की वजह से फीस जमा करने में काफी दिक्कत आ रही है। आगे भी बैंक कुछ दिन बंद रहेंगे। ऐसे में फीस जमा करने की तिथि बढ़ानी चाहिए। इसी क्रम में विवि प्रशासन ने एमए स्टेटिस्टिक्स/बायो स्टेटिस्टिक्स का भी सीट अलॉटमेंट जारी कर दिया गया था। इसकी फीस जमा करने की तिथि 21 अक्तूबर से बढ़ाकर 25 अक्तूबर कर दी गई है। विद्यार्थी अपनी लॉगइन आईडी के माध्यम से फीस जमा कर सकते हैं।

25 तक फीस जमा कर सकेंगे विद्यार्थी

पीजी के 10 कोर्सों का सेकेंड अलॉटमेंट जारी : लविवि की पीजी प्रवेश प्रक्रिया के क्रम में एमए एजुकेशन, एमए इंग्लिश, एमए होम साइंस, जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन, एलए सोशियोलॉजी, एलएलबी, एमकॉम कॉमर्स, एमएससी बॉटनी/माइक्रोबायोलॉजी, एमए इकोनॉमिक्स, एमएससी स्टेटिस्टिक्स/बायो स्टेट का सेकेंड सीट अलॉटमेंट 23 अक्तूबर को जारी कर दिया गया। प्रवेश समन्वयक प्रो. पंकज माथुर ने कहा कि विद्यार्थी अपनी लॉगइन आईडी से 25 अक्तूबर तक इसकी फीस जमा कर सकेंगे। (माई सिटी रिपोर्टर)

NBT PAGE 4

एलयू में पीजी के 10 कोर्सों की दूसरी सूची भी जारी

■ एनबीटी, लखनऊ

लखनऊ यूनिवर्सिटी ने पीजी दाखिला प्रक्रिया सत्र 2022 के तहत रविवार को दस पाठ्यक्रमों की दूसरी सीट आवंटन सूंची जारी कर दी। चयनित अभ्यर्थियों को 25 अक्टूबर तक फीस जमा करनी होगी। इनमें एमए अंग्रेजी, एमएससी (वनस्पति विज्ञान), माइक्रोवायोलॉजी, स्टैटस्टिक्स, एलएलवी, एमकॉम, होम साइंस, एजुकेशन, जर्नलिस्म एंड मास कम्युनिकेशन, समाजशास्त्र के अलावा अर्थशास्त्र की वची हुई सीटों के लिए चयनित अभ्यर्थियों की सूची जारी की गई है।

ऐडमिशन को-ऑर्डिनेटर पंकज माथुर ने वताया कि पीजी दाखिले में 11 विषयों में पहली मेरिट सूची से चयनित अभ्यर्थियों को 28 और 29 अक्टूवर को अभिलेख सत्यापन और न्यूनतम योग्यता की जांच करानी होगी। इन पाठ्यक्रमों में चयनित अभ्यर्थियों को प्रोविजनल एलॉटमेंट लेटर के साथ सम्वंधित विभाग में अपने सभी मूल प्रमाण पत्र, अंकपत्र का सत्यापन आकर कराना होगा।

एमवीए-एमएफए: 25 तक अंक अपलोड कर सकेंगे

एलयू की पीजी दाखिला प्रक्रिया में एमवीए-एमएफए के अभ्यर्थियों को स्नातक के अंक अपलोड करने मौका दिया गया है। एमवीए-एमएफए के जिन अभ्यर्थियों ने अभी तक अपने स्नातक के अंक अपलोड नहीं किए हैं वे 25 अक्टूबर तक लॉगिन आईडी से ऑनलाइन अपडेट कर सकते हैं।

i-NEXT PAGE 5

10 सब्जेक्ट में दूसरा सीट आवंटन जारी

लखनऊ विश्वविद्यालय ने दिया 25 अक्टूबर तक फीस जमा करने का मौका

LUCKNOW (23 OCT): एलयू ने पीजी में प्रवेश के लिए सीट आवंटन रिजल्ट जारी किए. बीपीएड, एमपीएड, एमबीए व मास्टर आफ टूरिज्म एंड ट्रैवल मैनेजमेंट में विकल्प के आधार पर पहला सीट आवंटन किया गया. वहीं, एमए अंग्रेजी, एमए एजुकेशन, एमए होम साइंस, जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन, एमए सोशियोलाजी, एलएलबी, एमकाम कामर्स, एमएससी बाटनी/ माइक्रोबायोलाजी, एमए इकोनामिक्स, एमएससी स्टैटिस्टिक्स/ बायोस्टैटिस्टिक्स विषय में दूसरा आवंटन है.

25 तक जमा करें फीस

प्रवेश समन्वयक प्रोफेसर पंकज माथुर ने बताया कि अभ्यर्थियों को अपने लाग इन पर इसे देखकर 25 अक्टूबर तक फीस जमा करनी होगी. गौरतलब है कि बीपीएड, एमपीएड, एमबीए व मास्टर आफ टूरिज्म एंड ट्रैवल मैनेजमेंट विषयों की पूरी मेरिट जारी कर 20 अक्टूबर तक अभ्यर्थियों को प्राथमिकता के अनुसार विकल्प भरने का मौका दिया था. अब इसकी कटआफ भी वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है.एलयू ने एमए स्टैटिस्टिक्स/ बायोस्टैटिस्टिक्स विषय में फीस जमा करने की तिथि 25 अक्टूबर तक बढ़ा दी है. प्रवेश समन्वयक ने बताया कि जिन अभ्यर्थियों को सीट आवंटित हो गई है, वे निर्धारित तिथि तक फीस जमा कर दें.

सेल्फ फाइनेंस टीचर करा सकेंगे पीएचडी!

लखनऊ विश्वविद्यालय में हाल ही में उपक्रम केंद्र की स्थापना, आए सुझाव पर शुरू हुई कवायद

LUCKNOW(23 OCT): लखनऊ विश्वविद्यालय से लेकर डिग्री कालेजों में सेल्फ फाइनेंस कोर्सों में अर्ह शिक्षकों को पीएचडी कराने का मौका मिल सकता है. हाल ही एलयू में यूपी सेंटर फार रैंकिंग एक्रीडेशन एंड मेंटरिंग केंद्र की स्थापना पर हुई कार्यशाला में कुलपतियों ने इसके सुझाव दिए थे. इसको लेकर उच्च शिक्षा विभाग ने कवायद शुरू कर दी गई है.

पहली बार दिया मौका

एलयू ने पहली बार डिग्री कालेजों के अर्ह शिक्षकों को भी पीएचडी कराने का मौका दिया है. इससे वहां भी शोध की दिशा में कार्य किए जा चुके हैं. चूंकि एकेटीयू से जुड़े कालेजों में सेल्फ फाइनेंस के शिक्षक पीएचडी कराते हैं. ऐसे में एलयू, महाविद्यालय एवं राज्य के अन्य विश्वविद्यालयों में सेल्फ फाइनेंस के योग्य शिक्षकों को भी पीएचडी कराने का मौका देने पर विचार चल रहा है.

प्रो. पूनम उपक्रम की डायरेक्टर जनरल

एलयू के भौतिक विज्ञान विभाग की प्रोफेसर एवं अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन को यूपी सेंटर फार रैंकिंग एक्रीडेशन एंड मेंटरिंग का डायरेक्टर जनरल बनाया गया है. जल्द ही राज्य सरकार की ओर से इसका नोटिफिकेशन जारी किया जाएगा.

i-NEXT PAGE 5

वीसी गोल्ड मेडल के लिए 10 तक मांगे गए नाम

लखनऊ विश्वविद्यालय ने शुरू की 65वें दीक्षा समारोह की तैयारी

CONCEPT PIC

LUCKNOW (23 OCT): राजभवन की ओर से दीक्षा समारोह की तिथि निर्धारित होते ही लखनऊ विश्वविद्यालय ने भी अपनी तैयारी शुरू कर दी है. परीक्षा नियंत्रक ने वीसी गोल्ड पदक-2022 के लिए एनसीसी मुख्यालय से 10 नवंबर तक बेस्ट कैडेट के नाम मांगे हैं. बनर्जी रेगुलेशंस रिसर्च प्राइज के लिए भी विभागों से आवेदन मांगे गए हैं.

12 दिसंबर डेट निर्धारित

राजभवन ने लखनऊ विश्वविद्यालय के दीक्षा समारोह के लिए 12 दिसंबर की तिथि तय की है. इसी आधार पर विश्वविद्यालय प्रशासन ने मेडल से लेकर अन्य तैयारियां शुरू कर दी हैं. दीक्षा समारोह में हर साल एनसीसी के बेस्ट कैडेट को कुलपति स्वर्ण पदक दिया जाता है. इस बार भी इस मेडल के लिए आवेदन मांग लिए गए हैं.

नाम भेजने को कहा

परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने एनसीसी मुख्यालय के कमांडर को पत्र भेजकर 10 नवंबर तक विश्वविद्यालय की एनसीसी यूनिट जैसे 63 यूपी बटालियन, 64 बटालियन, 3 यूपी नेवल यूनिट, 5 यूपीएडब्ल्यू एनसीसी में से बेस्ट कैडेट के नाम भेजने के लिए कहा है. वीसी की अध्यक्षता में गठित कमेटी मेडल के लिए नाम फाइनल करेगी.

ये चीजें जरूरी

विश्वविद्यालय में एनसीसी के बेस्ट कैडेट को यह मेडल दिया जाता है. इसमें कैडेट की पर्सनालिटी, सामान्य व्यवहार, लीडरशिप, परेड में उपस्थति, परिसर में उपस्थिति, विश्वविद्यालय में उनका योगदान सहित कई चीजें देखी जाती हैं.

बनर्जी रिसर्च रेगुलेशंस प्राइज के लिए चयन

दीक्षा समारोह में बनर्जी रिसर्च रेगुलेशंस प्राइज भी दिया जाएगा. इसके लिए विभागों से अर्ह छात्र-छात्रा के नाम मांगे गए हैं. परीक्षा विभाग के मुताबिक दीपावली की छुट्टियों के बाद अन्य प्रमुख मेडल के आवेदन की प्रक्रिया शुरू की जाएगी.

डिग्री कॉलेजों से मांगी कक्षाओं की टाइमिंग

LUCKNOW : लखनऊ विश्वविद्यालय ने अपने सभी डिग्री कालेजों से अपने यहां सत्र 2022-23 में कक्षाओं की समय सारिणी देने के लिए कहा है. इसके लिए कुलसचिव संजय मेधावी ने कालेजों को निर्देश जारी किए हैं. उन्होंने बताया कि नए सत्र की पढ़ाई शुरू हो चुकी है. इसलिए सभी कालेजों से पूछा गया है कि जो समय सारिणी लागू की गई है, उसकी कापी भेजें. इसी आधार पर कुलपति कालेजों का औचक निरीक्षण कर शैक्षिक स्थिति देखेंगे.

JAGRAN CITY PAGE III

कुलपति स्वर्ण पदक के लिए 10 तक मांगे नाम

जासं, लखनऊ : राजभवन की ओर से दीक्षा समारोह की तिथि निर्धारित होते ही लखनऊ विश्वविद्यालय ने भी अपनी तैयारी शुरू कर दी है। विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक ने कुलपति स्वर्ण पदक-2022 के लिए एनसीसी मुख्यालय से 10 नवंबर तक बेस्ट कैडेट के नाम मांगे हैं। इसके अलावा बनर्जी रेगुलेशंस रिसर्च प्राइज के लिए भी विभागों से आवेदन मांगे गए हैं।

दरअसल, राजभवन ने लखनऊ विश्वविद्यालय के दीक्षा समारोह के लिए 12 दिसंबर की तिथि तय की है। इसी आधार पर विश्वविद्यालय प्रशासन ने मेडल से लेकर अन्य तैयारियां शुरू कर दी हैं। दीक्षा समारोह में हर साल एनसीसी के बेस्ट कैडेट को कुलपति स्वर्ण पदक दिया जाता है। इस बार भी इस मेडल के लिए आवेदन मांग लिए गए हैं। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने एनसीसी मुख्यालाय के कमांडर को पत्र भेजकर 10 नवंबर तक विश्वविद्यालय की एनसीसी यूनिट जैसे 63 यूपी बटालियन, 64 बटालियन, 3 यूपी नेवल यूनिट, 5 यूपीएडब्ल्यू एनसीसी में से बेस्ट कैडेट के नाम भेजने के लिए कहा है। कुलपति की अध्यक्षता में गठित कमेटी मेडल के लिए नाम फाइनल करेगी।

कुलपति स्वर्ण पदक के लिए ये चीजें जरूरी : विश्वविद्यालय में एनसीसी के बेस्ट कैडेट को यह मेडल दिया जाता है। इसमें कैडेट की पर्सनालिटी, सामान्य व्यवहार, लीडरशिप, परेड में उपस्थति, परिसर में उपस्थिति, विश्वविद्यालय में उनका योगदान सहित कई चीजें देखी जाती हैं।

कालेजों से दीक्षा समारोह के लिए 31 तक मांगी सूचनाएं

डा. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) का दीक्षा समारोह 25 नवंबर को आयोजित किया जाएगा। दीक्षा समारोह के बाद कुछ विश्वविद्यालय भी अपने यहां दीक्षा समारोह का आयोजन कर विद्यार्थियों को डिग्री देते हैं। ऐसे में परीक्षा नियंत्रक प्रो. अनुराग त्रिपाठी ने बताया कि जो कालेज अपना दीक्षा समारोह करना चाहते हैं वह अपनी सूचना 31 अक्टूबर तक ई-मेल आइडी coeofficeaktu@.ac.in तथा coe@aktu.ac.in पर अनिवार्य रूप से उपलब्ध करा दें ताकि सक्षम स्तर के अनुमोदन के बाद उन्हें डिग्री उपलब्ध कराई जा सके। इसका नोटिफिकेशन भी वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है।

बनर्जी रिसर्च रेगुलनेशंस प्राइज के लिए चयन

दीक्षा समारोह में बनर्जी रिसर्च रेगुलेशंस प्राइज भी दिया जाएगा। इसके लिए विभागों से अर्ह छात्र-छात्रा के नाम मांगे गए हैं। परीक्षा विभाग के मुताबिक दीपावली की छुट्टियों के बाद अन्य प्रमुख मेडल के आवेदन की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

कालेजों से मांगी समय सारिणी

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने डिग्री कालेजों से सत्र 2022-23 में कक्षाओं की समय सारिणी देने के लिए कहा है। इसके लिए कुलसचिव संजय मेधावी ने कालेजों को निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने बताया कि नए सत्र की पढ़ाई शुरू हो चुकी है। इसलिए सभी कालेजों से पूछा गया है कि जो समय सारिणी लागू की गई है, उसकी कापी भेजें। इसी आधार पर कुलपति कालेजों का औचक निरीक्षण कर शैक्षिक स्थिति देखेंगे। (जासं)

JAGRAN CITY PAGE III

लवि : छात्रों को जल्द मिलेंगे नौकरी के मौके

सेंट्रल प्लेसमेंट सेल ने मर्चेंट नेवी के लिए शिपिंग कंपनी में नौकरी के लिए मांगे आवेदन

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में दीपावली की छुट्टियों के बाद छात्र-छात्राओं के लिए जॉब के तमाम अवसर आने वाले हैं। इस बार मर्चेंट नेवी के लिए शिपिंग कंपनी में नौकरी के लिए पांच नवंबर तक docs.google.com/forms/d/e/1FAI के माध्यम से आवेदन का मौका है। स्नातक में बीटेक डिग्री वाले छात्र इसके लिए अर्ह हैं। चयन प्रक्रिया पूरी होने के बाद अर्ह पाए गए छात्रों को न्यूनतम 14 लाख 40 हजार रुपये सालाना और अधिकतम एक करोड़ 44 लाख रुपये सालाना का पैकेज दिया जाएगा। लवि की सेंट्रल प्लेसमेंट सेल की निदेशक प्रोफेसर मधुरिमा लाल ने बताया कि वेसलिन शिप कंपनी में मर्चेंट नेवी के लिए जाब आफर दिए हैं। इसमें इंजीनियर्स, इलेक्ट्रिकल, ईसी एवं आइसी में बतौर इलेक्ट्रिकल आफीसर और नेविगेटिंग अफसर के पदों पर चयन होना है।

ये योग्यता जरूरी : आवेदन के लिए स्नातक इंजीनियरिंग फाइनल इयर में 50 फीसद और 12वीं पीसीएम में भी न्यूनतम 50 फीसद अंक होने जरूरी है। इसमें सिर्फ लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर के विद्यार्थी ही आवेदन के लिए पात्र होंगे। इसमें अलग अलग पदों के लिए सैलरी पैकेज भी अलग है। प्रोफेसर मधुरिमा लाल ने बताया कि कंपनी और प्लेसमेंट सेल इंटरव्यू के आधार पर आगे की प्रक्रिया पूरी करेगी। विस्तृत निर्देश वेबसाइट पर जारी किए गए हैं।

विप्रो कंपनी में भी आफर

लवि ने विप्रो कंपनी में भी जाब के अवसर उपलब्ध कराए हैं। यहां कस्टमर सर्विस रिप्रेंटेटिव के पदों पर भर्ती होगी। सैलरी पैकेज तीन लाख आठ हजार रुपये सालाना मिलेगा। आवेदन के लिए स्नातक होना जरूरी है। विस्तृत विवरण लखनऊ विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड की गई है।

सेल्फ फाइनेंस शिक्षकों को पीएचडी कराने का मिल सकता है मौका

जागरण संवाददाता, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय से लेकर डिग्री कालेजों में सेल्फ फाइनेंस कोर्सों में अर्ह शिक्षकों को पीएचडी कराने का मौका मिल सकता है। हाल ही लवि में यूपी सेंटर फार रैंकिंग एक्रीडेशन एंड मेंटरिंग (उपक्रम) केंद्र की स्थापना पर हुई कार्यशाला में कुलपतियों ने इसके सुझाव दिए थे। इसको लेकर उच्च शिक्षा विभाग ने कवायद शुरू कर दी गई है।

लवि ने पहली बार डिग्री कालेजों के अर्ह शिक्षकों को भी पीएचडी कराने का मौका दिया है। इससे वहां भी शोध की दिशा में कार्य किए जा चुके हैं। चूंकि डा.एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) से जुड़े कालेजों में सेल्फ फाइनेंस के शिक्षक पीएचडी कराते हैं। ऐसे में लवि, महाविद्यालय एवं राज्य के अन्य विश्वविद्यालयों में सेल्फ फाइनेंस के योग्य शिक्षकों को भी पीएचडी कराने का मौका देने पर विचार चल रहा है। बीते 16 अक्टूबर को लवि में उपक्रम केंद्र की स्थापना पर 10 राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपति आए थे। कार्यशाला में राज्यपाल आनंदी बेन पटेल मुख्य अतिथि रहीं। इस दौरान सेल्फ फाइनेंस कोर्सों के शिक्षकों को पीएचडी कराने का सुझाव दिया था। तर्क दिया कि जब निजी विश्वविद्यालयों के सेल्फ फाइनेंस के शिक्षक पीएचडी करा सकते हैं तो डिग्री कालेजों के क्यों नहीं। इस आधार पर अब कवायद शुरू की गई है।

प्रो. पूनम टंडन बनीं उपक्रम की डायरेक्टर जनरल : लवि के भौतिक विज्ञान विभाग की प्रोफेसर एवं अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन को यूपी सेंटर फार रैंकिंग एक्रीडेशन एंड मेंटरिंग (उपक्रम) का डायरेक्टर जनरल बनाया गया है। जल्द ही राज्य सरकार की ओर से इसका नोटिफिकेशन जारी किया जाएगा।

तीन विषयों में पहला, 10 में दूसरा सीट आवंटन जारी

लखनऊ विश्वविद्यालय ने परास्नातक कोर्सों में प्रवेश के लिए सीट आवंटन के परिणाम जारी किए हैं। इनमें बीपीएड, एमपीएड, एमबीए व मास्टर आफ टूरिज्म एंड ट्रैवल मैनेजमेंट (एमटीटीएम) में दाखिले के लिए विकल्प के आधार पर पहला सीट आवंटन किया गया।

वहीं, एमए अंग्रेजी, एमए एजुकेशन, एमए होम साइंस, जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन, एमए सोशियोलाजी, एलएलबी, एमकाम कामर्स, एमएससी बाटनी/ माइक्रोबायोलाजी, एमए इकोनामिक्स, एमएससी स्टैटिस्टिक्स/ बायोस्टैटिस्टिक्स विषय में दूसरा आवंटन है।

विश्वविद्यालय के प्रवेश समन्वयक प्रोफेसर पंकज माथुर ने बताया कि अभ्यर्थियों को अपने लाग इन पर इसे देखकर 25 अक्टूबर तक फीस जमा करनी होगी। इसका नोटिफिकेशन जारी वेबसाइट पर जारी कर दिया है। गौरतलब है कि बीपीएड, एमपीएड, एमबीए व मास्टर आफ टूरिज्म एंड ट्रैवल मैनेजमेंट (एमटीटीएम) विषयों की पूरी मेरिट जारी कर 20 अक्टूबर तक अभ्यर्थियों को प्राथमिकता के अनुसार विकल्प भरने का मौका दिया था। अब इसकी कटआफ भी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है।

PIONEER PAGE 3

सेल्फ फाइनेंस कालेजों को भी पीएचडी कराने का मौका देगा एलयू

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

डिग्री कालेजों के शिक्षकों को पीएचडी कराने का मौका देने के बाद लखनऊ विश्वविद्यालय अब सेल्फ फाइनेंस कालेजों के शिक्षकों को भी शोध कराने का अवसर देने पर विचार कर रहा है। विवि के कुलपति प्रो आलोक कुमार राय के मुताबिक नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत सेल्फ फाइनेंस कालेजों को भी इसमें शामिल किया जायेगा।

विश्वविद्यालय ने पहली बार डिग्री कालेजों के अर्ह शिक्षकों को भी पीएचडी कराने का मौका दिया है। इससे वहां भी शोध की दिशा में कार्य किए जा सकते हैं। चूंकि डा एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय से जुड़े कालेजों में सेल्फ फाइनेंस के शिक्षक पीएचडी कराते हैं। ऐसे में लखनऊ विश्वविद्यालय, महाविद्यालय एवं राज्य के अन्य विश्वविद्यालयों में सेल्फ फाइनेंस के योग्य शिक्षकों को भी पीएचडी कराने का मौका देने पर विचार चल रहा है।

SWATANTRA BHARAT PAGE 3

एलयू ने जारी की 10 कोर्स की दूसरी मेरिट सूची

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। एलयू ने पीजी प्रवेश प्रक्रिया के अन्तर्गत 10 कोर्स का दूसरा सीट आवंटन रविवार को जारी किया है। जिन पाठ्यक्रमों में सीटें खाली हैं उनमें सीट आवंटन की दूसरी लिस्ट जारी की जा रही है। इसी क्रम में एमए एजुकेशन, अंग्रेजी, होम साइंस, जर्नलिस्म एण्ड मास कम्यूनिकेशन, समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र के साथ ही एमकॉम-कामर्स, एमएससी बॉटनी- माइक्रोबायोलॉजी, स्टैटिस्टिक्स और एलएलबी की बची हुई सीटों के लिए चयनित अभ्यर्थियों की सूची जारी कर दी है। चयनित अभ्यर्थियों को 25 अक्तूबर तक फीस जमा करनी होगी। पीजी प्रवेश प्रक्रिया के अन्तर्गत 11 विषयों में पहली मेरिट सूची से चयनित अभ्यर्थियों को 28 एवं 29 अक्तूबर को अभिलेख सत्यापन और न्यूनतम योग्यता की जांच करानी होगी। प्रवेश समन्वयक प्रो. पंकज माथुर ने बताया कि एमकॉम एप्लाइड इकोनॉमिक्स, एमएससी बॉटनी- माइक्रोबायोलॉजी, एमकॉम कामर्स, एमए इकोनॉमिक्स, एजुकेशन, अंग्रेजी, होम साइंस, मास कम्यूनिकेशन, समाजशास्त्र, एलएलबी, एमए- एमएससी स्टैटिस्टिक्स- बायोस्टैटिस्टिक्स के चयनित अभ्यर्थियों को अपने प्रोविजनल एलॉटमेंट लेटर के साथ सम्बंधित विभाग में अपने सभी मूल प्रमाण पत्र और अंकपत्रों का सत्यापन 28 एवं 29 अक्तूबर को कराना होगा।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 5

सेल्फ फाइनेंस कोर्सों के शिक्षक करायेंगे पीएचडी

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। लविवि से लेकर महाविद्यालयों में सेल्फ फाइनेंस कोर्सों में अर्ह शिक्षकों को पीएचडी कराने का मौका मिल सकता है। हाल ही में लविवि में यूपी सेंटर फार रैंकिंग एक्रीडेशन एंड मेंटरिंग उपक्रम केंद्र की स्थापना पर हुई कार्यशाला में कुलपतियों ने इसके सुझाव दिए थे। इसको लेकर उच्च शिक्षा विभाग ने कवायद शुरू कर दी है।

लखनऊ विश्वविद्यालय ने पहली बार डिग्री कालेजों के अर्ह शिक्षकों को भी पीएचडी कराने का मौका दिया है। इससे वहां भी शोध की दिशा में कार्य किए जा सकते हैं। हालांकि एकेटीयू से जुड़े कालेजों में सेल्फ फाइनेंस के शिक्षक पीएचडी कराते हैं। ऐसे में लखनऊ विश्वविद्यालय, महाविद्यालय एवं राज्य के अन्य विश्वविद्यालयों में सेल्फ फाइनेंस के योग्य शिक्षकों को भी पीएचडी कराने का मौका देने पर विचार चल रहा है। गत16 अक्टूबर को लखनऊ विश्वविद्यालय में उपक्रम केंद्र की स्थापना पर 10 राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपति आए थे।

इस दौरान सेल्फ फाइनेंस कोर्सों के शिक्षकों को पीएचडी कराने का सुझाव दिया था। तर्क दिया कि जब निजी विश्वविद्यालयों के सेल्फ फाइनेंस के शिक्षक पीएचडी करा सकते हैं तो डिग्री कालेजों के क्यों नहीं। इस आधार पर अब कवायद शुरू की गई है। इसके बाद सेल्फ फाअनेंस कार्सों को पढ़ाने वाले शिक्षक पीएचडी करायेंगे।